



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

**Microfinance – Encouraging Women Entrepreneurs to Dream
Big and Achieve Business Success**

Region: Rajasthan

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	23.10.2021	Rajasthan Patrika	Jaipur
2.	20.10.2021	Dainik Bhor	Jaipur
3.	20.10.2021	Dainik Navajyoti	Jaipur
4.	20.10.2021	Dainik Dholamaru	Jaipur
5.	20.10.2021	Dainik Taj Bharti	Jaipur
6.	20.10.2021	Samachar Jagat	Jaipur
7.	20.10.2021	Sachha Sagar	Jaipur
8.	20.10.2021	Uday Today	Jaipur
9.	20.10.2021	Beauro Sandesh	Jaipur
10.	20.10.2021	Navyatan Dainik	Jaipur
11.	20.10.2021	Hindustan Times	Jaipur
12.	21.10.2021	Dainik Adhikar	Jaipur
13.	20.10.2021	Rajasthan Chronicle	Jaipur

Publication	Rajasthan Patrika
Edition	Jaipur
Date	October 23, 2021
Page No.	21

महिला उद्यमियों को दिया प्रोत्साहन

नई दिल्ली. शकुंतला की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस, एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। कोविड-19 के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल बैन चलाते थे। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल बैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया।

Publication	Dainik Bhor
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	02

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेन्सी)। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की गण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपये कमाती हैं और उनके पति भी प्रबंधन और खरीददारी में उनकी मदद करते हैं। हैंड इन हैंड इंडिया टीम से मिले बिजनेस आईडिया और मदद के साथ बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा प्रदान की गई क्रेडिट सहायता के जरिए शकुंतला अब अपने बच्चों को बिना किसी चिंता के शिक्षित करने में सक्षम हैं।

Publication	Dainik Navajyoti
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	13

उद्यमियों को प्रोत्साहित करेगा माइक्रोफाइनेंस

ब्यूरो, नवज्योति/जयपुर। शकुंतला ने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रु. की ऋण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपए कमाती हैं और उनके पति भी प्रबंधन और खरीदारी में उनकी मदद करते हैं।

Publication	Dainik Dholamaru
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	02

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपये कमाती हैं।

Publication	Dainik Taj Bharti
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	03

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋण राशि दी गई थी।

Publication	Samachar Jagat
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	09

अगले 5 सालों में 3 लाख से ज्यादा लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा माइक्रोफाइनेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैंड इन हैंड ग्रुप द्वारा सितंबर 2008 में बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस को अधिग्रहित किया गया था, ताकि हैंड इन हैंड इंडिया (एचआईएच) स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) कार्यक्रम के जरिए तैयार किए गए उद्यमियों को माइक्रोफाइनेंस सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसका लक्ष्य अगले 5 सालों में 3 लाख से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है और 2021 के अंत तक 50 लाख रोजगार देने के लिए हैंड इन हैंड ग्रुप की मदद करना है। बीआईएफपीएल ने अप्रैल 2009 में तमिलनाडु के एक जिले और कर्नाटक के दो जिलों से अपना माइक्रो लेंडिंग ऑपरेशन शुरू किया था। एचआईएच द्वारा अधिग्रहित करने के बाद के अपने संचालन के पहले पांच वर्षों में, बीआईएफपीएल मुख्य रूप से हैंड इन हैंड इंडिया (एचआईएच) द्वारा तैयार किए गए मौजूदा समूहों को संभालने पर निर्भर था। बीआईएफपीएल अब उधार देने के लिए एसएचजी और प्रगति मॉडल दोनों का अनुसरण करता है। सबसे बड़ी गोल्ड फाइनेंसिंग और लिस्टेड कंपनी मुथूट फाइनेंस लिमिटेड ने जुलाई 2016 में कंपनी में 40 करोड़ रुपए का रणनीतिक इक्विटी निवेश किया है।

Publication	Sachha Sagar
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	02

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपये कमाती हैं और उनके पति भी प्रबंधन और खरीददारी में उनकी मदद करते हैं। हैंड इन हैंड इंडिया टीम से मिले बिजनेस आईडिया और मदद के साथ बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा प्रदान की गई क्रेडिट सहायता के जरिए शकुंतला अब अपने बच्चों को बिना किसी चिंता के शिक्षित करने में सक्षम है।

Publication	Uday Today
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	03

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान, (उदय टुडे)। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए

ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

Publication	Beauro Sandesh
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	02

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहाँ उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है।

Publication	Navyatan Dainik
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	02

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

राजस्थान। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल बैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई।

Publication	Hindustan Express
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	05

माइक्रोफाइनेंस: महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है

नई दिल्ली। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले।

उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे

उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं।

हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉस्मेटिक्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋणा राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपये कमाती हैं और उनके पति भी प्रबंधन और खरीददारी में उनकी मदद करते हैं।

Publication	Dainik Adhikar
Edition	Jaipur
Date	October 21, 2021
Page No.	05

हैंड इन हैंड ग्रुप द्वारा सितंबर 2008 में बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस को अधिग्रहित किया गया था माइक्रोफाइनेंस: कर रहा है महिला उद्यमियों को बड़े सपने देखने और व्यावसायिक सफलता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित

जयपुर (एजेंसी)। शकुंतला की धैर्य और दृढ़ संकल्प की कहानी बताती है कि कैसे उन्होंने अपनी मेहनत के दम पर अपने परिवार की गरीबी को दूर किया। 2019 की बात है, जब शकुंतला ने अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य के द्वार खोले। उन्होंने एक साधारण गृहिणी के बजाए एक महत्वाकांक्षी व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान कायम करने के लिए कड़ी मेहनत की। 2019 में, उन्होंने स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, हैंड इन हैंड इंडिया टीम और बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस - एनबीएफसी एमएफआई की मदद से एक छोटी-सी नाश्ते की दुकान खोली। जहां उन्हें 2019 में अच्छी प्रतिक्रिया मिली पर कोविड-19 और लॉकडाउन ने कारोबार पर भारी असर डाला। कोविड-19 के कारण शुरू हुए ऑनलाइन स्कूल के कारण शकुंतला के पति की नौकरी भी छूट गई, जो स्कूल वैन चलाते थे। इससे उनके जीवन की कठिनाई अचानक बढ़ गई, लेकिन इस स्थिति के बावजूद, शकुंतला ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और वे

आजीविका कमाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार थीं। हैंड इन हैंड स्टाफ ने शकुंतला को अपने पति की स्कूल वैन में मोबाइल कॉम्पैक्ट्स एंटरप्राइज खोलकर एक उद्यमी बनने का दूसरा मौका दिया। टीम ने उन्हें यह समझने में भी मदद की कि माइक्रोलोन उनके व्यवसाय में कैसे मदद कर सकता है। शकुंतला को बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा 75,000 रुपये की ऋण राशि दी गई थी, जिसने उन्हें एक नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज, वे प्रति दिन लगभग 1000-1200 रुपये कमाती हैं और उनके पति भी प्रबंधन और खरीददारी में उनकी मदद करते हैं हैंड इन हैंड इंडिया टीम से मिले बिजनेस आईडिया और मदद के साथ बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस द्वारा प्रदान की गई क्रेडिट सहायता के जरिए शकुंतला अब अपने बच्चों को बिना किसी चिंता के शिक्षित करने में सक्षम हैं। वे एक जिम्मेदार कर्जदार भी रही हैं और उन्होंने अपनी मासिक ऋण की किस्तों का समय पर भुगतान किया। फिलहाल वे

आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति में हैं और एक नया घर बनाने और फिर से एक नई किराने की दुकान खोलने के लिए पैसे बचा रही हैं। हैंड इन हैंड ग्रुप द्वारा सितंबर 2008 में बेलस्टार माइक्रोफाइनेंस को अधिग्रहित किया गया था, ताकि हैंड इन हैंड इंडिया (एचआईएच) स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) कार्यक्रम के जरिए तैयार किए गए उद्यमियों को माइक्रोफाइनेंस सेवाएं प्रदान की जा सकें। इसका लक्ष्य अगले 5 सालों में 3 लाख से ज्यादा जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है और 2021 के अंत तक 50 लाख रोजगार देने के लिए हैंड इन हैंड ग्रुप की मदद करना है। बीआईएफमीएल ने अप्रैल 2009 में तमिलनाडु के एक जिले और कर्नाटक के दो जिलों से अपना माइक्रो लेंडिंग ऑपरेशन शुरू किया था। एचआईएच द्वारा अधिग्रहित करने के बाद के अपने संचालन के पहले पांच वर्षों में, बीआईएफमीएल मुख्य रूप से हैंड इन हैंड इंडिया द्वारा तैयार किए गए मौजूदा समूहों को संभालने पर निर्भर था।

Publication	Rajasthan Chronicle
Edition	Jaipur
Date	October 20, 2021
Page No.	03

Microfinance: Encouraging Women Entrepreneurs to Dream Big and Achieve Business Success

Jaipur: Shakuntala's story of grit and determination took her a long way from pushing her family from the confines of poverty to financial stability. It was way back in 2019, when Shakuntala opened the doors to a better future for her family. She worked hard towards making herself known as an ambitious businesswoman and not just an ordinary housewife. In 2019, she opened a small snack shop with the help and support of Self-Help Group members, the Hand in Hand India team and Belstar Microfinance - NBFC-MFI. While she received a good response in 2019, the effects of COVID-19 and lockdown took a heavy toll on the business. As the COVID-19

introduced the world to schooling from home, Shakuntala's husband, who ran a school van service also lost his job due to closures. Life suddenly seemed dire and unpredictable, but despite the situation, Shakuntala never gave up hope and was determined to work harder towards earning their livelihood. The Hand in Hand staff also reassured Shakuntala of giving herself a second chance of becoming an entrepreneur by opening a Mobile Cosmetics Enterprise in her husband's school van. The team also helped her understand how microloans can support her business. Shakuntala was granted a loan amount of Rs. 75,000 by Belstar Microfinance, which encouraged

her to initiate a new business. Today, she is able to earn an approximate amount of Rs 1000-1200 per day and her husband also helps her in managing and procurement. With the enterprise creation idea and support received from the Hand in Hand India team and the credit support offered by Belstar Microfinance, Shakuntala is now able to educate her children without any worries. She has also been a responsible borrower and has made sure she pays off her monthly loan instalments on timely basis. At present, she finds herself in a financially stable position and is saving money to construct a new house and reopen a new grocery store.